उत्तर प्रदेश में ताप विद्युत परियोजनाओं में तेज़ी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार राज्य की बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिये **घाटमपुर और ओबरा C ताप विद्युत परियोजनाओं** के कार्य में तेज़ी ला रही है।

मुख्य बिंदु:

- इन परियोजनाओं के लिये **संयुक्त** [पूंजीगत व्यय (Capex)](https://www.drishtiias.com/hindi) **32,000 करोड़ रुपए** से अधिक है।
- **घाटमपुर परियोजना (1,980 मेगावाट)** की अनुमानित लागत **19,006 करोड़ रुपए है** और इसका विकास **नेवेली उत्तर प्रदेश पावर (NUPPL)** द्वारा किया जा रहा है।
- **घाटमपुर परियोजना** की सभी तीन इकाइयों के सत्र 2024-25 में चालू होने की उम्मीद है, जिसमें राज्य को विद्युत उत्पादन का **75%** प्राप्त होगा।
- **ओबरा C थर्मल पावर प्लांट (1,320 मेगावाट) की लागत कीमतों और विनिमय दरों में परिवर्तन के कारण बढ़ गयी।**
- राज्य **ओबरा की बढ़ी हुई लागत का 70%** हिस्सा उधार के माध्यम से पूरा करेगा, जबकि **शेष 30% हिस्सा शेयर पूंजी** के माध्यम से प्रदान किया जाएगा।

पूंजीगत व्यय

- इसका उपयोग सतत् प्रकृति की परिसंपत्तियों को बढ़ाने या आवर्ती देनदारियों को कम करने के उद्देश्य से किया जाता है।
  - **उदाहरण:** नए स्कूल या नए अस्पताल बनाने पर किया गया व्यय। इन सभी को पूंजीगत व्यय के रूप में वर्गीकृत किया जाता है क्योंकि इनसे नई परिसंपत्तियों का निर्माण होता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttar-pradesh-accelerates-thermal-power-projects